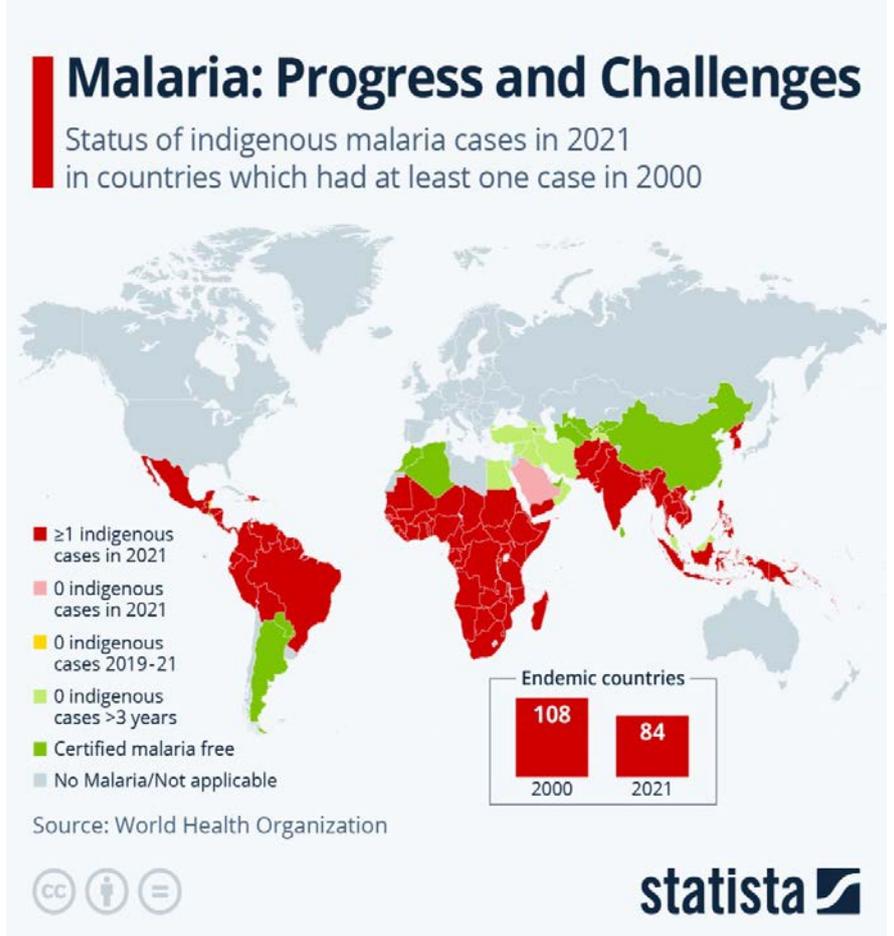




विश्व मलेरिया रिपोर्ट

संदर्भ: हाल की नवीनतम विश्व मलेरिया रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत में मच्छर जनित संक्रमण के कारण होने वाले मामलों और मौतों की संख्या दोनों में निरंतर कमी आई है।

- वैश्विक मलेरिया रुझान:**
 - वर्ष 2022 में वैश्विक मलेरिया के मामलों में 5 मिलियन की वृद्धि हुई और कुल मामले 249 मिलियन हो गए।
 - 2022 में वैश्विक स्तर पर मलेरिया से होने वाली मौतें बढ़कर 608,000 हो गईं, जो महामारी-पूर्व के स्तर से अधिक है।
- भारत की सफलता की कहानी:**
 - भारत में 2022 में मलेरिया के मामलों में 30% की गिरावट और मौतों में 34% की कमी देखी गई।
 - प्रमुख कारक:** प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल, डिजिटल निगरानी, प्रभावी उपकरण और चरम मौसम की घटनाओं का प्रबंधन।
- क्षेत्रीय भिन्नताएँ:**
 - 2022 में 2.1 मिलियन अतिरिक्त मलेरिया मामलों के साथ पाकिस्तान ने सबसे आगे है।
 - वैश्विक मलेरिया मामलों में भारत का योगदान 1.4% है।
- भारत में सफल रणनीतियाँ:**
 - भारत इस समय कीटनाशक मच्छरदानी, मलेरिया-रोधी दवाओं और बिंदु-देखभाल परीक्षणों में निवेश कर रहा है।
 - शहरीकरण से मलेरिया फैलाने वाले मच्छरों के प्रजनन स्थल कम हो रहे हैं।
- राज्य-विशिष्ट तैयारी:**
 - ओडिशा जैसे राज्य, जहां चरम मौसम की घटनाओं का खतरा होता है, मलेरिया से लड़ने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं, परिणामतः मलेरिया की घटनाओं में कमी आ रही है।
 - चक्रवातों से प्रभावी ढंग से निपटने से मलेरिया नियंत्रण में समग्र सफलता मिलती है।
- मलेरिया और जलवायु परिवर्तन:**
 - मलेरिया परजीवी और मच्छर तापमान, आर्द्रता और वर्षा के प्रति संवेदनशील होते हैं।
 - जलवायु परिवर्तन इस रोग की भौगोलिक स्थिति का विस्तार कर सकता है और स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच को प्रभावित कर सकता है।
- वैश्विक प्रतिक्रिया रुझान:**
 - वर्ष 2000 और 2019 के बीच वैश्विक मलेरिया के मामले 243 मिलियन से घटकर 233 मिलियन हो गए।
 - वर्ष 2020 में 11 मिलियन अतिरिक्त मामले दर्ज किए गए, जो वर्ष 2022 में 5 मिलियन की वृद्धि तक आते आते 2021 में स्थिर हो गए थे।
- पाकिस्तान पर फोकस:**
 - 2022 में बाढ़ का सामना कर रहे पाकिस्तान ने 2.1 मिलियन अतिरिक्त मलेरिया मामलों के साथ सबसे अधिक योगदान दिया।
 - प्राकृतिक आपदाओं के बाद यहाँ मलेरिया परजीवी के लिए आदर्श प्रजनन भूमि तैयार हुई, जिससे मलेरिया के मामलों में पांच गुना वृद्धि हुई।
- डिजिटल डेटा महत्व:**
 - कम दबाव वाले परिदृश्यों में बिखरे हुए मामलों को खोजने और उनका इलाज करने के लिए वास्तविक समय का डिजिटल डेटा महत्वपूर्ण है।
 - आज स्थानीय प्रशासनों को प्रभावी ढंग से हस्तक्षेप की योजना बनाना एक आवश्यकता है।
- जैविक खतरों और प्रतिरोध:**
 - चुनौतियों में दवा प्रतिरोध, कीटनाशक प्रतिरोध और जिन विलोपन शामिल हैं जो रोग निदान को कठिन बनाते हैं।
 - 2030 तक उन्मूलन लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जैविक खतरों पर काबू पाने पर जोर दिया जा रहा है।
- विवेक्स मलेरिया चैलेंज:**
 - विवेक्स मलेरिया, जिसके भारत में 40% से अधिक मामले हैं, के लिए 14-दिवसीय चिकित्सा पाठ्यक्रम की आवश्यकता होती है।
 - इसका उपचार पूरा करना भी एक चुनौती है, कई लोग बेहतर महसूस होने पर समय से पहले अपना उपचार बंद कर देते हैं।





12. लास्ट कनेक्टिविटी की चुनौतियाँ:

- 2030 मलेरिया उन्मूलन लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निगरानी सुदृढीकरण पर जोर देने की आवश्यकता है।
- डेटा के आधार पर उप-राष्ट्रीय स्तर पर हस्तक्षेप तैयार करना और नीतियों को अद्यतन करना महत्वपूर्ण प्रयास हैं।

भारतीय नौसेना दिवस

संदर्भ: 1971 के युद्ध के ऑपरेशन ट्राइडेंट की याद में हर साल 4 दिसंबर को भारतीय नौसेना दिवस मनाया जाता है।

भारतीय नौसेना दिवस अवलोकन:

1. उद्देश्य:

- 4 दिसंबर को वार्षिक उत्सव मनाना।
- 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान ऑपरेशन ट्राइडेंट में इस दिन भारतीय नौसेना की भूमिका का स्मरण करता है।
- यह दिवस नागरिकों को भारत की जीत और नौसेना के महत्व के बारे में जागरूक करता है।

2. भारतीय नौसेना की भूमिका:

- भारत की सशस्त्र सेनाओं का अभिन्न अंग, जिसका नेतृत्व कमांडर-इन-चीफ राष्ट्रपति करते हैं।
- समुद्र के पार और समुद्र के अन्दर काम करता है, राष्ट्रीय हितों की रक्षा करता है और मानवीय सहायता प्रदान करता है।

3. उत्सव गतिविधियाँ:

- इनके प्रदर्शनों में जहाजों, पनडुब्बियों, हेलीकॉप्टरों और विभिन्न विमानों द्वारा युद्धाभ्यास शामिल हैं।
- यह श्रद्धांजलि समारोह उन नाविकों का सम्मान करता है जिन्होंने अपने जीवन का बलिदान दिया।
- युद्ध स्मारकों पर बैंड प्रदर्शन और पुष्पांजलि समारोह इस स्मरणोत्सव के अभिन्न अंग हैं।

4. भारतीय नौसेना दिवस का महत्व:

- यह दिवस नौसेना की ऐतिहासिक उपलब्धियों और समर्पण को स्वीकार करता है।
- भारत की समुद्री विरासत और समुद्री हितों को सुरक्षित करने के प्रयासों पर प्रकाश डालता है।

भारतीय नौसेना दिवस का इतिहास:

1. इंसेप्शन और ऑपरेशन ट्राइडेंट:

- 4 दिसंबर 1971 और भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान ऑपरेशन ट्राइडेंट की शुरुआत हुई थी।
- यह ऑपरेशन एक निर्णायक उपलब्धि साबित हुआ, जिसमें आधिकारिक तौर पर भारतीय नौसेना को संघर्ष में शामिल किया गया।

2. ऑपरेशन ट्राइडेंट की उपलब्धियाँ:

- पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण स्थान कराची बंदरगाह पर सफलतापूर्वक हमला किया।
- जहाज-रोधी मिसाइलों की शुरुआत ने तकनीकी प्रगति को प्रदर्शित किया।
- व्यापक युद्ध प्रयास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

3. स्मरणोत्सव:

- बहादुरी और रणनीतिक प्रतिभा का सम्मान करने के लिए प्रत्येक वर्ष 4 दिसंबर को भारतीय नौसेना दिवस मनाया जाता है।
- समुद्री हितों की रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने में यह दिवस नौसेना की भूमिका की याद दिलाता है।

युद्धपोतों के प्रकार

1. विमान वाहक:

- **उदाहरण:** आईएनएस विक्रमादित्य, आईएनएस विक्रान्त (समुद्री परीक्षण से गुजर रहा है)।
- **विवरण:** विमान संचालन के लिए उड़ान डेक से सुसज्जित, मोबाइल एयरबेस के रूप में कार्य करना। साथ ही यह स्थानीय ठिकानों पर निर्भर हुए बिना वैश्विक वायु शक्ति प्रक्षेपण की क्षमता प्रदर्शित करता है।

2. क्रूजर:

- **विवरण:** सबसे बड़े युद्धपोतों में से एक, निर्देशित मिसाइलों से लैस। संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस द्वारा संचालित।

3. विध्वंसक:

- **उदाहरण:** आईएनएस कोलकाता, आईएनएस कोच्चि, आईएनएस चेन्नई, आईएनएस दिल्ली, आईएनएस मैसूर, आईएनएस मुंबई, आईएनएस राजपूत, आईएनएस राणा, आईएनएस रणवीर, आईएनएस रणविजय।

Face to Face Centres





- **विवरण:** इसे तेज, युद्धाभ्यास वाले युद्धपोत बड़े जहाजों की सुरक्षा और कम दूरी के हमलावरों से बचाव के लिए डिजाइन किया गया है। यह सतह पर लड़ाकू जहाजों के लिए वैश्विक मानक स्थापित करता है।
- 4. **फ्रिगेट्स:**
 - **उदाहरण:** आईएनएस शिवालिक, आईएनएस सतपुड़ा, आईएनएस सहाद्री, आईएनएस तलवार, आईएनएस त्रिशूल, आईएनएस तबर, आईएनएस तेग, आईएनएस तरकश, आईएनएस त्रिकंदा।
 - **विवरण:** विभिन्न आकार, ऐतिहासिक रूप से गतिशीलता के लिए डिजाइन किया गया है। इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उपयोग किया जाता है, विशेषकर पनडुब्बी रोधी युद्ध में।
- 5. **कावेंट:**
 - **उदाहरण:** आईएनएस कामोर्टा, आईएनएस किल्टन, आईएनएस कवरती, आईएनएस कोरा, आईएनएस किर्च, आईएनएस कुलिश, आईएनएस करमुक, आईएनएस खुकरी, आईएनएस कुथार, आईएनएस किरपान, आईएनएस खंजर।
 - **विवरण:** ये छोटे युद्धपोत, आमतौर पर 500 से 2,000 टन तक के होते हैं। इसका उपयोग तटीय गश्त, मिसाइल नौकाओं और तेज हमले के लिए किया जाता है।
- 6. **पनडुब्बियां:**
 - **उदाहरण:** आईएनएस कलवरी, आईएनएस खंडेरी, आईएनएस करंज, आईएनएस सिंधुविजय, आईएनएस सिंधुघोष, आईएनएस सिंधुध्वज, आईएनएस सिंधुराज, आईएनएस सिंधुरत्न, आईएनएस सिंधुकेसरी, आईएनएस सिंधुकीर्ति, आईएनएस सिंधुविजय, आईएनएस सिंधुराष्ट्र, आईएनएस शिशुमार, आईएनएस शंकुश, आईएनएस शाल्की, आईएनएस शंकुला।
 - **विवरण:** पानी के अंदर स्वतंत्र संचालन में सक्षम इस जलयान को "नाव" कहा जाता है। यह संवेदन उपकरणों और पेरिस्कोप के साथ बेलनाकार संरचना युक्त है।
- 7. **उभयचर आक्रमण जहाज:**
 - **विवरण:** यह जमीनी बलों की लैंडिंग और समर्थन के लिए नियोजित है। उभयचर लैंडिंग क्राफ्ट का सहयोग करना और विमान वाहक के रूप में कार्य करना। यह एक आधुनिक उभयचर युद्ध जहाज है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

नागार्जुन सागर परियोजना



हाल ही में, नागार्जुन सागर परियोजना में, आंध्र प्रदेश ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के अनुरोध पर पानी छोड़ना अस्थायी रूप से बंद दिया।

- नागार्जुन सागर परियोजना के बारे में:**
- नागार्जुन सागर परियोजना कृष्णा नदी पर अवस्थित है।
 - यह तेलंगाना के नलगोंडा जिले और आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले के बीच की सीमा पर स्थित है।
 - इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य जल विद्युत का उत्पादन करना और सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराना है।
 - नागार्जुन सागर जलाशय दुनिया की सबसे बड़ी मानव निर्मित झील है जिसकी कंक्रीट की दीवार 6 फीट मोटी है और इसमें 26 दरवाजे हैं।
 - इस जलाशय की कुल क्षमता 408.24 टीएमसीएफटी (9000000 एकड़-फीट) है।
 - यह मध्य प्रदेश में इंदिरासागर बांध के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा जलाशय है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी



हाल ही में, राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने चार राज्यों से नकली नोट, मुद्रा मुद्रण सामग्री, प्रिंटर और डिजिटल उपकरण जब्त किए गए हैं।

- राष्ट्रीय जांच एजेंसी के बारे में:**
- राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) भारत की एक केंद्रीय आतंकवाद विरोधी कानून प्रवर्तन एजेंसी है जो आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए गठित की गई है।
 - यह एक वैधानिक निकाय है जो गृह मंत्रालय के अंतर्गत आता है।
 - इसका मुख्यालय नई दिल्ली, भारत में है।
 - इसकी स्थापना 26/11 मुंबई हमले के बाद 2008 में की गई थी और 2009 में इसने काम करना शुरू कर दिया था।
 - इसे राज्यों की विशेष अनुमति के बिना राज्यों में आतंकवाद से संबंधित अपराधों की जांच करने का अधिकार है।
 - एनआईए (संशोधन) विधेयक, 2019 का उद्देश्य एनआईए को मानव तस्करी, नकली मुद्रा अपराध, निषिद्ध हथियारों के व्यापार, साइबर-आतंकवाद और 1908 के विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत उल्लंघन सहित विभिन्न अपराधों की जांच करने के लिए सशक्त बनाना है।

ग्लोबल स्टॉकटेक



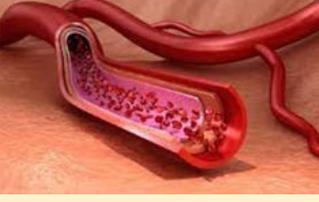
हाल ही में COP-28 में, BASIC गठबंधन (ब्राजील, भारत, दक्षिण अफ्रीका और चीन) ने जोर देकर कहा कि ग्लोबल स्टॉकटेक को जलवायु मुद्दों के समाधान में विकसित देशों की विफलताओं को पहचानना चाहिए।

- ग्लोबल स्टॉकटेक के बारे में:**
- ग्लोबल स्टॉकटेक (जीएसटी) एक समीक्षा तंत्र है जो जलवायु कार्रवाई पर दुनिया की प्रगति का आकलन करता है।
 - यह आकलन 2015 के पेरिस समझौते द्वारा अनिवार्य है और हर पांच साल में होता है।
 - इसका उद्देश्य ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी, अनुकूलन, वित्त और प्रौद्योगिकी उपलब्धता में वैश्विक प्रतिक्रिया बढ़ाना है।
 - पहला जीएसटी 2023 के अंत में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (COP28) में समाप्त होने वाला है।
 - इसका उद्देश्य समझौते के पक्षकारों को वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने सहित इसके लक्ष्यों के प्रति उनकी प्रगति के बारे में सूचित करना है।

Face to Face Centres





<h3>एंजोथेलियल कोशिका</h3> 	<p>हाल ही में, वैज्ञानिकों ने एक आणविक तंत्र की खोज की है जो एंजोथेलियल कोशिका (अन्तःस्तर कोशिका) आकार और एमटीओआरसी। सिमलिंग मार्ग को विनियमित करके रक्त वाहिकाओं की अतिवृद्धि को रोकती है।</p> <p>एंजोथेलियल कोशिकाओं के बारे में:</p> <ul style="list-style-type: none"> एंजोथेलियल कोशिकाएं पतली, वेफर जैसी कोशिकाएं होती हैं जो शरीर में सभी रक्त वाहिकाओं के अंदर की रेखा बनाती हैं। ये एक एकल कोशिका-मोटी परत बनाते हैं जिसे एंजोथेलियम कहा जाता है। ये प्राथमिक कोशिका प्रकार हैं जो रक्त के संपर्क में आते हैं। ये संयोजी ऊतक कोशिकाओं की वृद्धि और विकास को भी व्यवस्थित करते हैं जो रक्त-वाहिका दीवार की आसपास की परतें बनाते हैं। एंजोथेलियल कोशिकाओं के चार प्रमुख प्रकार हैं: धमनी, शिरापरक, केशिका और लसीका। एंजोथेलियम नाइट्रिक ऑक्साइड और प्रोस्टेसाइक्लिन नामक पदार्थ का उत्पादन करता है। ये रक्त को तरल बनाए रखते हैं और उसे जमने से रोकते हैं।
<h3>एलएचएस 3154 स्टार</h3> 	<p>हाल ही में, एक अध्ययन से पता चला है कि नेपच्यून के आकार का एक एक्सोप्लैनेट एक छोटे एम बौने तारे, एलएचएस 3154 की परिक्रमा कर रहा है।</p> <p>एलएचएस 3154 स्टार के बारे में:</p> <ul style="list-style-type: none"> एलएचएस 3154 एक अति शीतल बौना तारा है जो पृथ्वी से लगभग 50 प्रकाश वर्ष दूर है। यह हमारे सूर्य से लगभग एक हजार गुना कम चमकीला और नौ गुना छोटा है। एलएचएस 3154 को एम ड्वार्फ के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जो कि सबसे कम विशाल वर्णक्रमीय प्रकार का तारा है। एलएचएस 3154 सूर्य से नौ गुना कम भारी है। 2020 की शुरुआत में, खगोलविदों ने हर 3.7 दिनों में एलएचएस 3154 के स्पेक्ट्रम में एक आवधिक बदलाव देखा। इससे संकेत मिलता है कि निकट कक्षा में किसी ग्रह के गुरुत्वाकर्षण खिंचाव के कारण तारा डगमगा (wobbled) रहा था। एलएचएस 3154 में एलएचएस 3154 बी नामक एक ग्रह है जो इसकी परिक्रमा करता है। ग्रह, एलएचएस 3154बी, पृथ्वी से 13 गुना अधिक विशाल है और नेपच्यून के द्रव्यमान के बराबर है।
<h3>समाचारों में स्थान</h3> <h4>म्यांमार</h4>	<p>हाल ही में, म्यांमार के पूर्वी शहर लोइकाव में, लोकतंत्र समर्थक लड़ाके एक पिकअप ट्रक में सड़कों पर घूम रहे थे।</p> <p>म्यांमार (राजधानी: नाएप्पीडॉ)</p> <p>अवस्थिति: म्यांमार (बर्मा के नाम से भी जाना जाता है) इंडोचाइनीज प्रायद्वीप पर स्थित, यह मुख्य भूमि दक्षिण पूर्व एशिया का उत्तर-पश्चिमी देश है।</p> <p>सीमाएँ: म्यांमार की सीमाएँ उत्तर और उत्तर-पूर्व में चीन, पूर्व और दक्षिण-पूर्व में लाओस और थाईलैंड, दक्षिण में अंडमान सागर और बंगाल की खाड़ी तथा पश्चिम में बांग्लादेश और भारत से लगती हैं।</p> <p>भौतिक विशेषताएँ:</p> <ul style="list-style-type: none"> म्यांमार का उच्चतम बिंदु उत्तरी म्यांमार में चीन की सीमा पर माउंट हकाकाबो है। माउंट हकाकाबो पर देश की ढलान उत्तर से दक्षिण की ओर अय्यारवाडी (इरावाडी) और सितांग नदी डेल्टा पर समुद्र तल तक है। इरावदी, बर्मा की मुख्य नदी है यह मध्य बर्मा बेसिन से होकर उत्तर से दक्षिण की ओर बहती है और एक विस्तृत डेल्टा में समाप्त होती है। 

POINTS TO PONDER

- ❖ रक्षा मंत्रालय ने अपग्रेडेड सुपर रैपिड गन माउंट और अन्य उपकरणों के लिए लगभग 3000 करोड़ रुपये के अनुबंध पर किस संगठन के साथ हस्ताक्षर किए? - बीएचईएल (BHEL)
- ❖ माहे, मालवन और मंगरोल हाल ही में लॉन्च किए गए किन उत्पादों के नाम हैं? - पनडुब्बी रोधी युद्धपोत
- ❖ किस संस्था ने बीमा क्षेत्र पर डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम के प्रभाव की जांच के लिए एक कार्यबल का गठन किया? - आईआरडीएआई (IRDAI)
- ❖ ऑनलाइन सुरक्षा और डिजिटल नागरिकता के बारे में छात्रों और शिक्षकों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए किस राज्य ने मेटा के साथ सहयोग किया? - कर्नाटक
- ❖ किस राज्य ने 13वीं सीनियर राष्ट्रीय पुरुष हॉकी चैंपियनशिप का खिताब जीता? - पंजाब

